शुक्रवार
07 जून 2024

पृष्ठ 4

पालतू जानवरों से है एलर्जी ? जानिए...

पृष्ठ 5

बॉलीवुड में रहना है तो सुंदर दिखना...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 126
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुजर कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।

– रामधारी सिंह दिनकर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मोदी को चुना गया संसदीय दल का नेता

सरकार बनाने का दावा, एनडीए सबसे कामयाब एलांइस

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। एनडीए संसदीय दल की बैठक में आज नरेंद्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुनकर उनके तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर अपनी सहमति की मोहर लगा दी गई है। उनके नाम का प्रस्ताव पूर्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया तथा अनुमोदन अमित शाह और नितिन गडकरी तथा चंद्रबाबू नायडू ने किया।

नरेंद्र मोदी संभवत: आज देर शाम तक राष्ट्रपति भवन जाकर अपने समर्थक व सहयोगी दलों के सांसदों की सूची और अपने कैबिनेट मंत्रियों की सूची राष्ट्रपति को सौंप सकते हैं। अपने नाम के प्रस्ताव और अनुमोदन के बाद उन्होंने सांसदों को भी संबोधित करते हुए कहा कि यह भाजपा सरकार के गुड गवर्नेंस का ही नतीजा है कि जनता ने एक बार फिर उन पर अपनी भरोसा जताया है।

उत्साह से लबरेज नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं पूरे विश्वास के

●अगले 10 साल एनडीए सरकार रहने की दी गारंटी

साथ कह सकता हूं कि हम अगले 10 सालों में गुड गवर्नेंस के जरिए देश के लोगों का जीवन बदल देंगे और विकास के कार्यों से सरकार का दखल खत्म कर देंगे। नरेंद्र मोदी के इस अगले 10 साल की बात की बात पर पहले तो हाल में बैठे सांसद सन्न रह गए लेकिन जब उन्होंने दोबारा इसे दोहराया तो फिर जमकर तालियां भी बजाई गई। जब उनकी समझ में आया कि वह भूलवश ऐसा नहीं कह रहे हैं यह उनका आत्मविश्वास है कि अगले 10 साल तक भी देश से एनडीए की सरकार को कोई हिला नहीं सकता है और एनडीए ही सत्ता में रहेगी।

उन्होंने कहा कि अपने 30 साल के सफर में एनडीए ने तीन सफल कार्यकाल दिए हैं जो किसी भी एलाइंस ने नहीं दिए हैं। उन्होंने एनडीए एलाइंस को ऑर्गेनिक एलाइंस बताते हुए कहा कि हमने अपने बीते 10 साल के कार्यकाल में गुड गवर्नेंस और राष्ट्रीयता की मूल भावना के विकास के साथ आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले देश की जनता जानती ही नहीं थी कि सरकार क्या होती है? ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

बाड़ीगार्ड बस्ती में अवैध निर्माण पर चला बुल्डोजर

हमारे संवाददाता

देहरादून। रिस्पना किनारे वर्ष 2016 के बाद हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्यवाही आज फिर शुरू की गयी है। लगभग दो सप्ताह के ब्रेक के बाद दस्तावेजो की जांच कर प्रशासन की टीमों द्वारा अवैध निमार्णो को ध्वस्त कर दिया गया है। हालांकि इस दौरान छिटपुट विरोध भी हुआ लेकिन प्रशासन के सख्त रवैये के आगे अवैध निर्माण ध्वस्त होता चला गया।

बता दें कि एनजीटी के निर्देश पर रिस्पना किनारे वर्ष 2016 के बाद किये गये निर्माण के सर्वे में कुल 524 अतिक्रमण पाये गये थे। इनमें से 89 अतिक्रमण नगर निगम की भूमि पर, 12 नगर पालिका मसूरी व 11 राजस्व भूमि पर पाये गये। वहीं दूसरी ओर नगर निगम के नियंत्रण में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए जिस भूमि को एमडीडीए

के नियंत्रण में दिया गया था उस पर 414 अतिक्रमण होने की बात सामने आयी।

बता दें कि करीब एक माह पूर्व नगर निगम ने आपत्तियों की सुनवाई के बाद 74 अतिक्रमण की अंतिम सूची तैयार की गयी थी। जिसमें चूना भट्टा से लेकर बलबीर रोड बस्ती तक 46 निर्माण ध्वस्त किये गये थे। जबकि दीपनगर में आठ मकानों का ध्वस्तिकरण किया गया था। ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पीएम के शपथ ग्रहण में मजदूर, ट्रांसजेंडर्स समेत सफाई कर्मचारियों को भी न्यौता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में 9 जून को सफाई कर्मचारियों, ट्रांसजेंडरों और सेंट्रल विस्टा परियोजना में काम करने वाले मजदूरों को भी आमंत्रित किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि विशेष आमंत्रित लोगों में केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थी और 'विकसित भारत' के एम्बेसडर भी शामिल होंगे। वंदे भारत और मेट्रो ट्रेनों में काम करने वाले रेलवे के कर्मचारियों को भी प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा।

समारोह रविवार शाम राष्ट्रपति भवन में होगा। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन में आठ हजार से अधिक अतिथियों के लिए इंतजाम किये जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने समारोह में शामिल होने की पुष्टि कर दी है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ को भी न्योता भेजा गया है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद पीएम मोदी दूसरे ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो लगातार तीसरी बार पद की शपथ लेंगे।

वाहन खाई में गिरा, चालक सहित दो की मौत

हमारे संवाददाता

चमोली। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक वाहन के खाई में गिर जाने से चालक सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम द्वारा दोनों शवों को बाहर निकालकर स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया। जिस पर पुलिस की अग्रिम कार्यवाही जारी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह पुलिस चौकी गौचर द्वारा एसडीआरएफ को सूचित किया गया कि ज्योलीबगड, लंगासू के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सूचना पर एसडीआरएफ टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर जानकारी करने पर

पता चला कि एक बोलेरो वाहन जो अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर पुल से गधेरे में गिर गया था। वाहन में दो व्यक्ति सवार थे जिनकी घटनास्थल पर मृत्यु हो गई थी।

एसडीआरएफ टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों व्यक्तियों के शवों को निकालकर मुख्य मार्ग तक पहुँचाया व अग्रिम कार्यवाही हेतु जिला पुलिस के सुपर्द किया गया। मृतकों के नाम नरेंद्र सिंह पुत्र जयकृत सिंह उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम मासो, चमोली (चालक) व अरविंद पुत्र जयपाल सिंह नेगी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम मासो, चमोली बताये जा रहे है। बहरहाल पुलिस मामले में अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

इस जनादेश के मायने

भले ही 2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व तमाम तरह की शंकाएं व आशंकाएं व्यक्त की जा रही थी कि पता नहीं इसके बाद कोई चुनाव देश में होगा भी या नहीं होगा, लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा, संविधान बदल दिया जाएगा, गरीबों-पिछड़ों और अनुसूचितों का आरक्षण छीन लिया जाएगा, अगर भाजपा और एनडीए सरकार बनाने में नाकाम भी रही तब भी मोदी सत्ता नहीं छोड़ने वाले हैं और हालात अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप शासन काल जैसे पैदा हो सकते हैं। यही नहीं चुनावी नतीजों के बाद भी देश के कई राज्यों में टकराव के कारण कानून व्यवस्था बिगड़ने की संभावनाएं भी जताई जा रही थी। लेकिन यह सभी आशंकाएं अब निरर्थक साबित हो चुकी है और यह कमाल हुआ है इस चुनाव के करिश्माई नतीजे के कारण। इसमें कोई संदेह की बात नहीं है कि भाजपा और मोदी सरकार सत्ता के लिए जिस तरह से कुछ भी कर गुजरने पर आमादा दिख रहे थे तथा उसके नेता सार्वजनिक मंचों से संविधान बदलने के लिए भाजपा को 400 सीटें मिलना जरूरी बता रहे थे उससे यह साफ दिख रहा था कि भाजपा किस तरह का विपक्ष विहीन लोकतंत्र और सरकार चाहती थी यह भी किसी से भी छुपा नहीं है। लेकिन इस जनादेश ने न सिर्फ उपरोक्त सभी आशंकाओं को समाप्त कर दिया है बल्कि भाजपा को हराकर और एनडीए को जिताकर एक ऐसा जनादेश दिया है कि भाजपा और एनडीए दोनों को कहीं का भी नहीं छोड़ा है और उनकी हालत उसे व्यक्ति जैसे है जो गर्म दूध मुंह में भर लेता है, जिसे वह न निगल पाता है न उगल पाता है। भले ही एनडीए के पास बहुमत से भी 20 सदस्य संख्या ज्यादा है फिर भी वह सरकार बनाने और उसे चला पाएगा इसका भरोसा उसे भी नहीं हो पा रहा है तो किसी और को क्या होगा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो 9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं वह शपथ लेंगे भी या नहीं अभी तक इस पर भी संशय बना हुआ है। जिन दो अहम सहयोगी दलों के नेता नायडू और नीतीश के भरोसे वह सत्ता संभालने वाले हैं उनकी शर्तों को माने न माने इस अंतर्द्वंद की स्थिति अभी भी बरकरार है खबर यह भी आ रही है कि नीतीश और नायडू के सामने भाजपा और मोदी झुकने को तैयार नहीं है। भाजपा नेता सत्ता के लिए इससे इतर क्या कुछ खेल करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं वह सब कुछ आने वाले समय में ही सामने आएंगे। किंतु वर्तमान हालात अत्यंत ही गंभीर स्थिति से गुजर रहे हैं। मतदाताओं ने इस चुनाव में भाजपा के किसी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे को नहीं टिकने दिया और भाजपा नेताओं की शगुफे बाजी और मोदी है तो मुमकिन है पर भरोसा नहीं किया। मायावती और उनके जैसे तमाम नेता जो दशकों से जातीय आधार की राजनीति के जरिए संसद और विधानसभा तक अपनों को पहुंचाने की जो परंपरा चली आ रही थी उसे जनता ने इस बार नकार दिया है। मायावती और उनकी बसपा अपना खाता तक नहीं खोल पाई। क्षेत्रीय क्षत्रप अपने बेटों को चुनाव जिताने में असफल रहे। इस जनादेश ने देश के नेताओं को एक ऐसा सबक सिखाया है कि उन्हें अब आम आदमी के हितों की राजनीति करनी ही पड़ेगी और अगर नहीं करेंगे तो जनता उन्हें कहीं का नहीं छोड़ेगी चाहे वह कितना भी बड़ा दल हो या चेहरा हो उसका कोई वजूद लोकतंत्र में जनता के सामने नहीं टिक सकता है जनतंत्र की इस ताकत को उन्हें सलाम करना ही पड़ेगा।

चोरी की योजना बनाते 4 टप्पेबाज दबोचे, 4 ब्लेड कटर बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चोरी की योजना बना रहे चार बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चार ब्लेड कटर भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली नगर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस पालिका के ऊपर रेलवे सुंरग हर की पैड़ी के समीप पहुंची तो उसे वहां चार लोग संदिग्ध अवस्था में बैठे दिखायी दिये जो पुलिस को देखकर भागने लगे। इस पर पुलिस ने उन्हे घेर कर दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चार ब्लेड कटर बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने बताया कि वह गंगा घाटों पर चोरी के इरादे से यहां आये थे साथ ही उन्होने अपना नाम इंद्रपाल पुत्र उल्फत निवासी कुरकुनिया बिटरी चैनपुर बरेली उत्तर प्रदेश, शिवम पुत्र दिनेश निवासी पचोरी पांडा कोतवाली धौलपुर जनपद धौलपुर राजस्थान, सागर पुत्र हरपाल निवासी जगनपुर कैराना शामली उत्तर प्रदेश व पंकज पुत्र रामकुमार निवासी दरौली जुनारदार सुरीर मथुरा उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने उन्हे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

मृत्योः पदं योपयन्तो यदैत द्राघीय आयुः प्रतरं दधानाः।
आप्यायमानाः प्रजया धनेन शुद्धाः पूता भवत यज्ञियासः।।
(ऋग्वेद १०-१८-२)

स्वार्थ और भोग विलास से भरे मृत्यु के मार्ग को दूर धकेलते हुए जैसे-जैसे आप देवयान मार्ग पर आगे बढ़ते हैं वैसे-वैसे आपका जीवन दीर्घ और उत्कृष्ट होता चला जाता है। आपका मन और आत्मा शुद्ध और पवित्र हो। आपको उत्तम संतान और धन मिले।

डीआईटी यूनिवर्सिटी की प्रवेश काउंसलिंग नौ जून को: डॉ.रघुरामा

हमारे संवाददाता

देहरादून। डीआईटी यूनिवर्सिटी का आगामी प्रवेश परामर्श सत्र 9 जून को आयोजित किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए डी आई टी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ जी रघुरामा ने बताया कि यह निर्धारित सत्र विशेष रूप से डीआईटी यूनिवर्सिटी के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला में शामिल होने के इच्छुक छात्रों के लिए बनाया गया है।

उन्होने बताया कि डीआईटी यूनिवर्सिटी ज्ञान के केंद्र के रूप में खड़ा है, जो इंजीनियरिंग, फार्मेसी, वास्तुकला, डिजाइन, लिबरल आर्ट्स, विज्ञान, प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा और नर्सिंग जैसे क्षेत्रों में 70 से अधिक विविध कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। 250 से अधिक प्रतिष्ठित फैकल्टी के समर्पित डिपार्टमेंट्स के साथ, डीआईटी यूनिवर्सिटी के छात्र एक आकर्षक और परिवर्तनकारी शिक्षण वातावरण का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने और रचनात्मकता को प्रज्वलित करने के अपने निरंतर प्रयासों को करते हुए डीआईटी यूनिवर्सिटी अत्याधुनिक क्षेत्रों में नए और आकर्षक कार्यक्रम पेश कर रही है। छात्र अब रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बी.टेक, चिप डिजाइन, इलेक्ट्रिक वाहन, सस्टेनेबल सिटी प्लानिंग, कार्बन न्यूट्रैलिटी, कंप्यूटर विजन और बायोमेट्रिक्स, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और एआई जैसे विषयों में अध्यन्न कर सकते हैं।

इन कार्यक्रमों को छात्रों को तेजी से बदलती दुनिया में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। डीआईटी विश्वविद्यालय अपने छात्रों के समग्र विकास पर बहुत गर्व करता है। उन्होने कहा कि डीआईटी विश्वविद्यालय इस वर्ष स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों में नए कार्यक्रम भी प्रदान करता है, जिसमें बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (बी.एमएलटी), ऑप्टोमेट्री (बी. ऑप्टोम.) और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

डीआईटी यूनिवर्सिटी ने विभिन्न क्षेत्रों की 450 से अधिक प्रसिद्ध कंपनियों को आकर्षित करते हुए, अपनी प्लेसमेंट उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त की है। पिछले वर्ष में, इन कंपनियों ने 1450+ से अधिक प्लेसमेंट की पेशकश की थी, जिसमें पालो ऑल्टो नेटवर्क्स ने 58 लाख प्रति वर्ष का उच्चतम पैकेज प्रदान किया था।

डीआईटी विश्वविद्यालय ने अपनी प्लेसमेंट उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त की है, डीआईटी यूनिवर्सिटी के मजबूत उद्योग संबंध एडोब, अमेजॅन, ट्रिलॉजी, क्रेड, टेकियन, कॉमवॉल्ट, ब्लिंकिट, जस्केलर और कई अन्य प्रतिष्ठित संगठनों के साथ है। जो असाधारण प्रतिभा की तलाश में अक्सर परिसर से भर्ती करते हैं। भावी छात्रों को 7 जून, 2024 की अंतिम तिथि तक प्रवेश परामर्श सत्र के लिए पंजीकरण करना अनिवार्य है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने सत्यनारायण मन्दिर के पास चैकिंग के दौरान एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी की डिग्गी से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम नरेश रावत पुत्र भग सिंह रावत निवासी यमकेश्वर लक्ष्मण झूला पौडी गढवाल बताया। वहीं रायवाला थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास से एक युवक को 54 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम संदीप उर्फ दुकनिया पुत्र ओम प्रकाश निवासी मोतीचूर हरिपुरकला रायवाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

वैश्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन नौ को

संवाददाता

देहरादून। भारतीय वैश्य महासंघ के अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया कि विवाह योग्य वैश्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन नौ जून को होगा।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए विनय गोयल ने बताया कि आगामी नौ जून को विवाह योग्य वैश्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त सम्मेलन प्रातः दस बजे अतिथि भवन हरिद्वार रोड निकट पुरानी रोडवेज वर्कशाप में होगा। संस्था द्वारा सप्तम परिचय सम्मेलन हो रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक हुए परिचय सम्मेलन के माध्यम से लगभग 135 युवक युवतियां विवाह कर गृहस्थ जीवन का आनन्द ले रहे हैं इस बार भी यही प्रयास होगा कि अधिक से अधिक युवक युवतियां इसका लाभ प्राप्त कर सकें। महासंघ के प्रदेश संरक्षक राजेन्द्र गोयल ने बताया कि अभी तक 500 से अधिक आवेदन प्राप्त हो गये हैं जिसमें युवको के 364 एवं युवतियों के 137 आवेदन प्राप्त हुए है इसके पश्चात भी आवेदकों के फोन आदि द्वारा जानकारी हासिल की जर रही है।

विनय गोयल ने बताया कि परिचय सम्मेलन मात्र परिचय सम्मेलन नहीं होगा अपितु यह परिवारों को जोडने का माध्यम भी होगा यह परिवारों के लिए कल्प वृक्ष भांति कार्य करता है। प्रेस वार्ता में विनोद गोयल संजय गर्ग आदि भी उपस्थित रहे।

एआरटीओ कार्यालय दलाली बंद करे, वरना मोर्चा करेगा इलाज: शर्मा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के प्रवीण शर्मा ने कहा कि आरटीओ के अधिकारियों ने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया तो अधिकारियों/ कर्मचारियों को कार्यालय में ही बंधक बनाकर जबरदस्त इलाज किया जाएगा।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा पिन्नी ने कहा कि एआरटीओ कार्यालय (उप संभागीय परिवहन) विकासनगर (ढालीपुर) दलालों की गिरफ्त में फंसा हुआ है, जिसका परिणाम यह है कि आमजन के काम कई-कई चक्कर काटने के बाद भी नहीं हो रहे हैं और दलालों

और अधिकारियों को सुविधा शुल्क देकर काम फटाफट हो जाते हैं। अधिकारी/कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते और अधिकारी दलालों के साथ कदमताल करते हुए परिसर में घूमते रहते हैं। काबिले गौर है कि अधिकारियों ने अपने परिसर की भीतर ही खास दलाल के बैठने तक की व्यवस्था कर रखी है, जिनके माध्यम से पूरा नेक्सस काम करता है। शर्मा ने कहा कि मोटर वाहन से संबंधित लाइसेंस व अन्य कार्यों में अधिकारियों द्वारा रोड़ा अटकाया जाता है, मजबूर होकर आमजन को दलालों का सहारा लेना पड़ता है। आलम यह है कि अधिकारी सिर्फ उसी काम में रुचि लेते हैं, जिसमें इनको सुविधा शुल्क मिलता है। शर्मा ने कहा कि अगर अधिकारियों ने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया तो अधिकारियों/ कर्मचारियों को कार्यालय में ही बंधक बनाकर जबरदस्त इलाज किया जाएगा।

विदेशों में हाथ से खाना खाने का बढ़ता चलन

सुषमा गौर

हम अपने देश की संस्कृति को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं और विदेशी संस्कृति को अपना रहे हैं, लेकिन अब हमारे देश की संस्कृति विदेशों में भी प्रचलित हो रही है। हम अपनी प्राचीन संस्कृति में छुपे हुए वैज्ञानिक तथ्यों को समझने में असमर्थ रहे हैं, लेकिन अब विदेशों में बड़े-बड़े वैज्ञानिक उन पर शोध कर रहे हैं और उनके पीछे के वैज्ञानिक कारणों को समझने का प्रयास कर रहे हैं। आज प्राचीन भारत की जिन बातों का वैज्ञानिक अर्थ समझकर विदेशी लोग उन्हें महत्व दे रहे हैं और उनका सम्मान कर रहे हैं, वे सभी चीजें हमारे पूर्वजों के जीवन में घुली-मिली थीं। हम सभी को उन्हें अपने जीवन में अपनाने की शिक्षा भी मिली थी, लेकिन हमने उन्हें अपने पूर्वजों का पिछड़ापन समझ कर महत्व ही नहीं दिया और उनका तिरस्कार करते रहे। लेकिन अब वैज्ञानिक शोधों से पता चल रहा है कि प्राचीन भारत के लोगों की उन आदतों और परंपराओं का कितना अधिक महत्व है और क्यों भारत के लोग उन्हें अपने जीवन और आचरण में शामिल किए थे। दरअसल हाथ से खाना खाने की परंपरा मानव सभ्यता की शुरुआत से ही चली आ रही है।

प्राचीन काल में लोग चम्मच और कांटे जैसी कटलरी का इस्तेमाल नहीं करते थे। वे अपने हाथों से भोजन को उठाकर खाते थे। भारत में सदियों से हाथ से खाना खाने की परंपरा रही है।

भारत के अलावा इथियोपिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और कई अन्य देशों में भी लोग हाथों से खाना खाते रहे हैं। यह सिर्फ खाने का तरीका नहीं है, बल्कि भोजन के प्रति सम्मान और संस्कृति का प्रतीक भी है। कुछ धर्मों में हाथों से खाना खाने को धार्मिक महत्व दिया जाता है। हिंदू धर्म में भोजन को भगवान का प्रसाद माना जाता है, इसलिए भगवान का सम्मान करने के लिए हाथों से खाना खाया जाता है। हाथों से खाना खाना कई संस्कृतियों में सामाजिक बंधन और एकजुटता का प्रतीक भी माना जाता है। अब यह परंपरा पश्चिमी देशों में भी शुरू हो रही है।

दरअसल हाथों से खाना खाने के कई फायदे हैं। खाना खाने का यह तरीका भोजन के स्वाद को तो बढ़ाता ही है, साथ ही पाचन क्रिया को भी बेहतर बनाता है और तनाव कम करने में भी यह काफी मददगार होता है। हाथ से खाना खाने के इन्हीं फायदों को देखते हुए विदेशों में खाना खाने के तरीके में बदलाव हो रहा है। पहले विदेशों में हाथ से खाना खाने को अशिष्टता व स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद माना जाता था। पश्चिमी देशों की देखा-देखी भारतीयों ने भी अपनी प्राचीन परंपराओं को छोड़कर हाथ से खाना बंद कर दिया और भारतीय भी अब खाना खाने के लिए अधिकांश रूप से चम्मच व कांटे का ही उपयोग करते हैं। रेस्टोरेंट में तो लोग हाथ से खाने की सोच भी नहीं सकते, क्योंकि उन्हें डर रहता है कि ऐसा करने पर उन्हें पिछड़ा हुआ समझा जाएगा। लेकिन अब लोगों की सोच बदल रही है। विदेशों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं को समझने और अपनाने की कोशिश की जा रही है। अब अमेरिका में हाथ से खाना खाने का चलन बढ़ता जा रहा है। न्यूयॉर्क के कई रेस्टोरेंट में फिंगर-फूड मेनू उपलब्ध हैं। फिंगर फूड का मतलब ऐसा भोजन होता है, जिसे खाने के लिए उंगलियों से पकड़ना पड़ता है। इन रेस्टोरेंट में खाना खाने के लिए चम्मच और कांटे नहीं दिए जाते, बल्कि लोगों को हाथों से खाना खाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हाथों से खाना खाने के अनेकों लाभ हैं, जैसे पाचन तंत्र में सुधार, मोटापे से बचाव, रक्त संचार में सुधार, एकाग्रता में वृद्धि आदि। दरअसल हाथों से खाना खाने से भोजन को अच्छी तरह से चबाने में मदद मिलती है, जिससे पाचन तंत्र पर बोझ कम होता है। हाथों की गर्मी से भोजन को पचाने में सहायक एंजाइमों की सक्रियता बढ़ जाती है, जिससे खाना आसानी से हजम हो जाता है। दरअसल हमारे हाथों में नॉर्मल फ्लोरल नामक बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो भोजन को पचाने में मदद करते हैं।

हाथों से खाना खाने से धीरे-धीरे खाने की आदत लगती है, जिससे लोग कम खाते हैं और मोटापे का खतरा कम होता है। जब लोग चम्मच या कांटा इस्तेमाल करते हैं, तो वे जल्दी खाते हैं और अधिक भोजन का सेवन करते हैं। हाथों से खाना खाने से हाथों की मांसपेशियों का व्यायाम होता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है। हाथों से खाना खाने से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह बढ़ता है, जिससे एकाग्रता और याददाश्त में सुधार होता है। इस तरीके से भोजन करने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और खाने का स्वाद भी अधिक बढ़ जाता है। इसके अलावा इसके कई मनोवैज्ञानिक लाभ भी हैं। दरअसल हाथों से खाना खाने से तनाव और चिंता कम करने में मदद मिलती है। इस तरीके से भोजन करने से लोगों का भोजन के साथ एक विशेष संबंध बनता है, जो व्यक्ति को मानसिक सुकून देता है। क्योंकि हाथों से खाना खाने से हमें भोजन के स्वाद, बनावट और गंध का बेहतर अनुभव होता है। हाथों से खाना खाने से पहले कुछ सावधानियां बरतनी बहुत जरूरी हैं।

हिट एण्ड रन रोकने पारदर्शी व्यवस्थाएं जरूरी

अशोक शर्मा

पुणे हिट एण्ड रन मामले के बाद एक बार फिर पूरे देश में इस संबंधी कानून और नियंत्रण पर नई बहस छिड़ गई है। इस दर्दनाक घटना के आरोपी को नाबालिग बताकर कानून की खामियों या कमियां दोनों का भरपूर लाभ दिया गया। वह तो देश व्यापीजन आक्रोश को देखकर फैसला बदला गया वरना जिम्मेदारों ने तो अपना फर्ज निभा ही दिया था। निश्चित रूप से ऐसे मामले चर्चाओं में क्यों आते हैं बिना कुछ कहे सब एकदम साफ है। अब एक बार फिर कानून में सुधार पर नए सिरे से सोचना होगा। आरोपी की मंशा और दुर्घटना की परिस्थितियों तथा यदि उपलबध है तो डिजिटल साक्ष्य को ध्यान में रखकार्रवाई के लिए प्रभावी पारदर्शी सुधारों की दरकार महसूस होने लगी है। यह यकीनन बड़ी चुनौती है लेकिन दोष-निर्दोश और अनजाने हुई दुर्घटना के बीच की महीन लकीरों को बिना मिटाए या प्रभावित किए प्रभावी कार्रवाई चुनौती भी है और जरूरी भी।

पुणे दुर्घटना में अकाल मृत्यु के आगोश में समाए 24-24 बरस के अनीस अवधिया और अश्विनी कोस्टा तो वापस नहीं आएंगे, लेकिन दुर्घटना उपरान्त पूछताछ के नाम पर पुलिसिया सवालों से आहत पीड़ित परिवार का दर्द जरूर बड़ा सवाल है। जिम्मेदारों और माननीयों को इस पर भी सोचना होगा। वहीं बड़ा सवाल उस बिगड़ैल रईसजादे का है जिसे नाबालिग होते हुए भी पिता ने महंगी गाड़ी चलाने कैसे दी? जबकि पता था कि न रजिस्ट्रेशन है और न औलाद के पास लाइसेंस। इसे अमीरी का रुतबाकहें या व्यवस्थाओं पर तमाचाजो पुणे जैसे शहर में पैसों की खुमारी से नाबालिग बिना नंबर की गाड़ी 200 कि.मी. की रफ्तार सड़क पर चला नहीं उड़ा रहा था? आखिर दो बेकसूरोंको उड़ाने का दोषी सिर्फ नाबालिग ही नहीं उसका पिता भी बराबर का है!

ऐसे हिट एण्ड रन देश में चर्चाओं में रहते हैं। दो-चार दिन हो-हल्ला के बाद शांत भी हो जाते हैं। लेकिन न तो दुर्घटनाएं रुकती हैं और न ही सड़कों पर वाहन दौड़ाने वाले रईसों में कोई डर दिखता है। हां, साधारण लोग जरूर कानून, कायदे के जंजाल में फंस जाते हैं या फंसा दिए जाते हैं क्योंकि वो रईस नहीं होते। यहां कानपुर के उस मामले के भी चर्चा जरूरी है जिसमें एक नामी डॉक्टर के केवल 15 बरस के नाबालिग औलाद ने अक्टूबर 2023 में तेज रफ्तार गाड़ी चलाते हुए सागर निषाद और आशीष रामचरण नाम के दो बच्चों को रौंदकर मार डाला। कानून का माखौल कहें या जिम्मेदारों की छत्रछाया जो दोबारा 31 मार्च 2024 को इसी बिगड़ैल ने 4 लोगों के ऊपर फिर कार चढ़ा दी। तब भी कानूनी खानापूर्ति में मामूली धाराओं में पुलिस ने प्रकरण बनाया और आरोपी बेलगाम घूमता रहा। लेकिन पुणे की घटना के बाद शायद पुलिस की आत्मा जागी या डरी पता नहीं, दोनों मामलों पर एकाएक सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी नाबालिग और उसके डॉक्टर पिता को भी 6-7 महीने बाद आरोपी जरूर बना लिया। हैरानी की बात है कि तब भी यही कानून थे और अब भी वही कानून हैं। लेकिन पुलिस का रवैया अलग-अलग विचारणीय है?

पुणे घटना का एक दूसरा पहलू भी है। आरोपी नाबालिग ने दोस्तों संग दो पबों में 69 हजार रुपयों का जाम छलकाया जिसके सबूत भी मिले। लेकिन हैरानी है कि मेडिकल रिपोर्ट निगेटिव आई? अब पुणे में अवैध पब ढ़हाए जा रहे हैं यह जिम्मेदारों को पहले क्यों नहीं दिखे? कैसे नाबालिगों को शराब परोसी गई? कानून की धज्जियों उड़ाने वाले सवालों की श्रंखला में कई कड़ी हैं। दुर्घटना करने वाली 2 करोड़ से ज्यादा की पोर्स कार के रजिस्ट्रेशन के बारे में महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट विभाग का हैरान कर देने वाला खुलासा सामने आया। महज 1,758 रुपये की फीस नहीं चुकाने से कार का रजिस्ट्रेशन मार्च से पेंडिंग था और विभाग खामोश। अब कहा जा रहा है कि आरोपी का ड्राइविंग लाइसेंस उम्र 25 साल पूरा तक नहीं बनेगा। लेकिन यह क्यों नहीं कोई बताता कि बिना लाइसेंस रईसजादा कैसे सड़क पर बेखौफ होकर फर्राटे भर रहा था? क्या रईसजादों को लाइसेंस की जरूरत नहीं होती? क्या रईसजादों पर उम्र का बंधन नहीं होता? कानून के रक्षकों के शायद इसी दोहरे रवैये से रईस नाबालिगों के हिट एण्ड रन के हैरान करने वाले मामले सामने आते हैं जो आम लोगों से भेदभाव करते हैं। लगता नहीं कि अपराध की गंभीरता देखी जानी चाहिए न कि उम्र? नए दौर में कानून में ऐसे सुधारों की दरकार है जिसमें आयु की जगह अपराध की गंभीरता और मंशा अहम हो। नाबालिगों के ऐसे-ऐसे अपराध सामने आने लगे हैं जो चिंताजनक हैं।

परिषद ने की राज्यपाल से क्षैतिज आरक्षण को पारित करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने राज्यपाल से आंदोलनकारियों के दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को पारित करने की मांग की।

आज उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश के राज्यपाल गुरमीत सिंजी से अनुरोध किया है कि वह आंदोलनकारियों के 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के बिल को तुरंत पारित किया जाये। स्मरण रहे की राज्य आंदोलनकारी काफी समय से 10 प्रतिशत क्षतिज आरक्षण की मांग कर रहे है। मुख्यमंत्री धामी सरकार ने उसे विधानसभा में पारित कर आपके पास प्रस्तुत किया है क्योंकि आचार संहिता लगने के कारण यह बिल आपके पास रुका हुआ था जिसे अब आचार संहिता समाप्त हो चुकी है इस बिल को पारित कर आंदोलनकारियों को सरकार एक तोहफा देने दें। आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने उम्मीद जताई कि राज्यपाल आंदोलनकारीयो की इस भावनाओं को समझते हुए इस बिल पर हस्ताक्षर कर जल्द से जल्द पारित करेंगे व उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित सांसदों से उम्मीद जताई कि वह पर्वतीय क्षेत्र के विकास के लिए अग्रणी रहेंगे।

बोर्ड पर करोड़ों के गबन का आरोप लगाते हुए गौशाला संचालक बैठे धरने पर

संवाददाता

देहरादून। पशु कल्याण बोर्ड पर चालीस करोड के गबन का आरोप लगाते हुए गौसदन संचालकों ने प्रदर्शन कर धरना दिया।

आज यहां उत्तराखंड के पंजीकृत गौसदनों के संचालक मोथरोवाला स्थित पशु पालन विभाग के समक्ष पहुंचे जहां पर संचालकों ने पशु कल्याण बोर्ड द्वारा गौमाता के खिलाफ गलत व्यवहार के चलते प्रदर्शन कर धरना दिया। संचालकों का आरोप है कि उत्तराखंड पशु कल्याण बोर्ड द्वारा गौमाता की अनदेखी की जा रही है और उनके चारे व भोजन के लिए निर्धारित 40 करोड़ से अधिक की धनराशि को विभाग ने गबन कर लिया है। संचालकों का कहना है कि जब से विभाग ने प्रति गोवंश भरण पोषण के लिए 80 रुपये की धनराशि निर्धारित की है, तब से विभाग गौसदन संचालकों के साथ दुर्व्यवहार और धमकियों पर उतर आया है।

संचालकों को आवाज उठाने पर झूठे जांचों में फंसाने की धमकियां भी दी जा रही हैं। पिछले 06 महीने से अनुदान की राशि जारी करने में भी लगातार देरी की जा रही है। गौशाला संचालकों ने अपनी मांगों के समर्थन में धरने पर बैठने का निर्णय लिया है और यह स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक वे अपने संघर्ष को जारी रखेंगे। यह धरना प्रदर्शन उत्तराखंड में गौमाता और गौसदनों की दुर्दशा को उजागर करता है और पशु कल्याण बोर्ड से तत्काल कार्रवाई की मांग करता है। संचालकों ने सरकार से अनुरोध किया है कि वे इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

समृद्धि के शिखर एवं गरीबी के गड्ढ़े वाली दुनिया

अमन कुमार

वैश्विक संस्था ऑक्सफैम ने अपनी आर्थिक असमानता रिपोर्ट में समृद्धि के नाम पर पनप रहे नये नजरिया, विसंगतिपूर्ण आर्थिक संरचना एवं अमीरी गरीबी के बीच बढ़ते फासले की तथ्यपरक प्रभावी प्रस्तुति समय-समय पर देते हुए इसे संतुलित एवं समानतामय संसार-संरचना के लिए घातक बताया है। संभवतः यह एक बड़ी क्रांति एवं विद्रोह का कारण भी बन सकता है। ऑक्सफैम के अनुसार आर्थिक असमानता के लिहाज से पिछले कुछ साल काफी खराब साबित हुए हैं। आज देश एवं दुनिया की समृद्धि कुछ लोगों तक केन्द्रित हो गई है, भारत में भी ऐसी तस्वीर दुनिया की तुलना में अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही है। भारत में भी भले ही गरीबी कम हो रही हो, लेकिन अमीरी कुछ लोगों तक केन्द्रित हो गई है। बीते चार सालों की घटनाएं, इनमें चाहे कोरोना हो या युद्ध या इससे उपजी महंगाई, बेरोजगारी, अभाव इन सभी कारणों के चलते साल 2020 के बाद दुनियाभर में करीब 5 अरब लोग गरीब हुए हैं। दूसरी ओर इसी रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के पांच शीर्ष धनाढ्यों की दौलत पिछले चार साल में 869 अरब डॉलर बढ़ी है। क्या यह आश्चर्य का विषय नहीं कि विकसित दुनिया की दौड़ में कुछेक लोग सबसे आगे दौड़ रहे हैं और बड़ी संख्या में गरीब दहलीज पर खड़े हैं? वो लोग जो अमीरी के शीर्ष पर हैं, वे वर्चुअल दुनिया और एक ग्लोबल बाजार के मालिक हैं। ऐसे लोगों के सामने आम आदमी की गरीबी दूर करने का नहीं, बल्कि अपनी समृद्धि बढ़ाने का लक्ष्य है। यह ऐसी दौड़ है जो असंतुलन को न्यौतती हैं, दुःख, अभाव एवं असंतोष बढ़ाती है।

दुनिया के सबसे अमीर शख्सों में शुमार एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने इंसान के दिमाग में कृत्रिम चिप का प्रत्यारोपण बाजारवादी नीतियों का हिस्सा एवं ईश्वर की रची मानव- संरचना में बेहूदा हस्तक्षेप है। संवेदनशील मस्तिष्क में चिप लगाने के क्रम में इंसान के रोबट बन जाने की आशंकाएं भी निर्मूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि इस प्रत्यारोपण का लक्ष्य मानव-कल्याण कदापि नहीं है। जाहिर है मस्तिष्क में चिप लगाने का प्रयोग उनके बाजार के गणित का ही हिस्सा है। वही मस्क जिन्होंने ट्विटर खरीदने और उसे एक्स में तब्दील करने के क्रम में कर्मचारियों की निर्ममता से छंटनी की थी। वही मस्क जो विश्व के अरबपतियों को अंतरिक्ष में सैर-सपाटा कराने के अलावा दुनिया के तमाम बड़े मुनाफे के कारोबार में लगे हुए हैं। यह सवाल मानवीय बिरादरी के लिए हमेशा मंथन का विषय रहेगा कि विज्ञान की खोज एवं कुछेक लोगों तक केन्द्रित होती समृद्धि मानवता की संहारक नहीं बन रही है? जनता में आक्रोश एवं विद्रोह का बड़ा कारण नहीं बन रही है?

भारतीय लोग इन दिनों इस बात से बहुत खुश होते रहते हैं कि भारत शीघ्र ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। लेकिन दुनिया के इस तीसरे सबसे बड़े मालदार एवं समृद्ध देश की असली हालत क्या है? ऑक्सफॉम के ताजा आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ 100 भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति 54.12 लाख करोड़ रुपये है यानि उनके पास इतना पैसा है कि वह भारत सरकार के डेढ़ साल के बजट से भी ज्यादा है। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को अपनी रोजमर्रा के जरूरी चीजों को खरीदने पर बहुत ज्यादा टैक्स भरना पड़ता है, क्योंकि वर्तमान सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि वह बताए बिना ही चुपचाप काट लिया जाता है। इसी का नतीजा है कि देश के 70 करोड़ लोगों की कुल सम्पत्ति देश के सिर्फ 21 अरबपतियों से भी कम है। प्रश्न यह है कि क्या समृद्धि लोगों की शक्ति ही समाज के विकसित होने का मापदंड होती जा रही है? क्या इधर जीवन मूल्यों पर मनुष्य या मानव समाज की पकड़ कमजोर हो रही है और बाजार की मजबूत? क्योंकि इन समृद्ध लोगों की बाजारवादी नीतियों से खरीदना, निरंतर खरीदना एक सामाजिक आदत-सी बन गई है। आम जनता से अधिक इन समृद्ध लोगों पर सरकार का भरोसा बढ़ना एक आदर्श समाज व्यवस्था की बड़ी विसंगति एवं विडम्बना है। मुश्किल यह है कि किसी के दुख को समझने के लिए जो जीवन मूल्यों की नजर चाहिए, उसे बाजार ने हाई-जैक कर लिया है। इंसानियत कमतर हो तो कोई बात नहीं, ब्रांड वैल्यू बढ़नी चाहिए? ऐसी परिस्थिति में आम आदमी क्या करे?

महात्मा गांधी को पूजने वाले सत्ताशीर्ष का नेतृत्व उनके ट्रस्टीशीप के सिद्धान्त एवं ऐसे ही आर्थिक समानता के सिद्धांतों को बड़ी चतुराई से किनारे कर रखा है। यही कारण है कि एक ओर अमीरों की ऊंची अट्टालिकाएं हैं तो दूसरी ओर फुटपाथों पर रेंगती गरीबी। एक ओर वैभव ने व्यक्ति को विलासिता दी और विलासिता ने व्यक्ति के भीतर क्रूरता जगाई, तो दूसरी ओर गरीबी तथा अभावों की त्रासदी ने उसके भीतर विद्रोह की आग जला दी। वह प्रतिशोध में तपने लगा, अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। नई आर्थिक प्रक्रिया को आजादी के बाद दो अर्थों में और बल मिला। एक तो हमारे राष्ट्र: का लक्ष्य समग्र मानवीय विकास के स्थान पर आर्थिक विकास रह गया। दूसरा सारे देश में उपभोग का एक ऊंचा स्तर प्राप्त करने की दौड़ शुरू हो गई है। इस प्रक्रिया में सारा समाज ही अर्थ प्रधान हो गया है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पालतू जानवरों से है एलर्जी ? जानिए इसके इलाज के तरीके और अन्य जरूरी बातें

दुनियाभर में लोग कुत्ते-बिल्लियों जैसे तमाम जानवरों को अपने घर के सदस्य की तरह पालते हैं। हालांकि, कई लोगों को पालतू जानवरों से एलर्जी भी हो सकती है।कई दफा उनके करीब जाने से आपको छींक आना शुरू हो सकती है और उन्हें छूने से त्वचा की एलर्जी हो सकती है। इन सभी एलर्जियों का कारण हो सकते हैं जानवरों में पाए जाने वाले प्रोटीन।आइए पालतू जानवरों से होने वाली एलर्जी के विषय में विस्तार से जानते हैं।

पालतू जानवरों की एलर्जी होने के कारण

पालतू जानवरों की एलर्जी एक सामान्य एलर्जी प्रतिक्रिया है, जो आम तौर पर बिल्लियों, कुत्तों और पक्षियों जैसे जानवरों के संपर्क में आने से होती है। इन जानवरों की लार, मूत्र या त्वचा में पाए जाने वाले प्रोटीन ही एलर्जी का कारण हो सकते हैंजब लोग इन एलर्जी कारकों के संपर्क में आते हैं, तो उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली उन्हें हानिकारक तत्व समझकर हिस्टामाइन जैसे रसायन छोड़ती है। इसके चलते ही लगातार छींक आना शुरू हो जाती है।

पालतू जानवरों की एलर्जी के लक्षण

पालतू जानवरों की एलर्जी के लक्षण हर किसी में अलग-अलग होते हैं। इसके सबसे सामान्य लक्षणों में खांसी आना, छींक आना, नाक बहना और आखों में खुजली होना शामिल हैं।इसके अलावा पालतू जानवरों की एलर्जी होने पर आपको शरीर में खुजली, सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द भी हो सकता है। गंभीर मामलों में लोगों को अस्थमा का दौरा भी पड़ सकता है।आप पालतू जानवरों की देखभाल के लिए ये टिप्स अपना सकते हैं।

एलर्जी से बचते हुए पालतू जानवर के साथ रहने के टिप्स

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जिस पालतू जानवर से आपको एलर्जी है, उसके साथ रहना आपके लिए संभव है। हालांकि, ऐसा करने के लिए आपको अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होगी।अपने पालतू जानवर को घर के कुछ क्षेत्रों से दूर रखकर एलर्जी के खतरे को कम किया जा सकता है। साथ ही आपको घर में एयर पीयूरिफाइयर लगाने से भी मदद मिलेगी।अपने पालतू जानवरों को नियमित रूप से नहलाएं और घर को रोजाना साफ करें।

पालतू जानवरों की एलर्जी का इलाज करने के तरीके

सही समय पर पालतू जानवरों से होने वाली एलर्जी का इलाज करना जरूरी होता है, जिसके लिए डॉक्टर के पास जाना चाहिए। अगर आपको अधिक असुविधा होती है तो आप अपने पालतू जानवर के करीब आते वक्त मास्क लगाकर रखें।कई बार पालतू जानवरों की एलर्जी पैदा करने वाले प्रोटीन के संपर्क में आने से समय के साथ एलर्जी अपने आप कम हो जाती है, क्योंकि आपका शरीर उनके अवगत हो चुका होता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -104

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

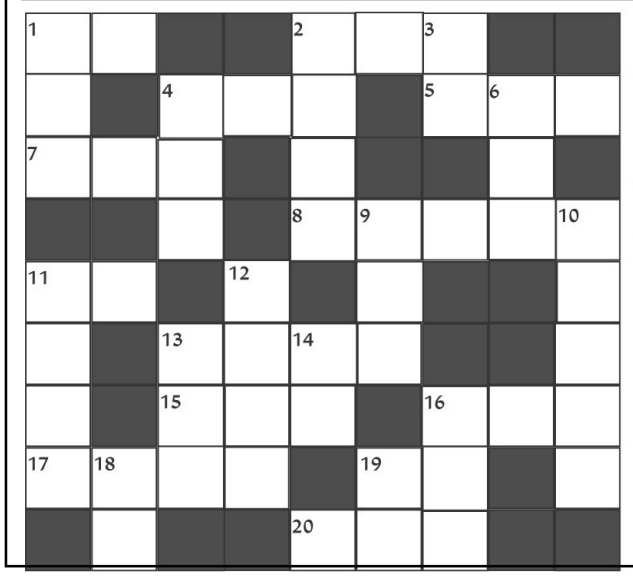

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 103 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्री
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन का गाना सत्यानास जारी

कार्तिक आर्यन अपनी आने वाली फिल्म चंदू चैंपियन के जरिए एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने को तैयार हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर पर आधारित है।हाल ही में चंदू चैंपियन का ट्रेलर रिलीज हुआ था। अब निर्माताओं ने चंदू चैंपियन का पहला गाना सत्यानास जारी कर दिया है, जिसे अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। आपको बता दें कि कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर फिल्म चंदू चैंपियन से गाना सत्यानास का वीडियो शेयर किया है। इस गाने में कार्तिक आर्यन जबरदस्त नाचते हुए नजर आ रहें हैं। इस गाने को शेयर करने के साथ कार्तिक आर्यन ने कैप्शन में लिखा, आ रहा है आपका चैंपियन ससत्यानास करें, प्रस्तुत है मेरा पहला ट्रेन गीत, जो सभी पैडोसिस को समर्पित है। इससे आप नाचने लगेंगे और आपका पागलपन भी!! चंदूचैंपियन 14जून। इस गाने के सामने आने के बाद फैंस काफी पसंद कर रहें हैं। गाने सत्यानास में कार्तिक आर्यन को मस्ती में डांस करते देख लोग काफी तारीफ कर रहें है। इस गाने को लाइक करने के साथ फैंस लाइक करने के साथ कमेंट कर अपने रिएक्शन दे रहें हैं। बता दें कि 2 मिनट 49 सेकंड में चलने वाले इस गीत को अरिजीत सिंह, नकाश अजीज और देव नेगी की आवाज में अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है, जबकि प्रीतम ने गीत की रचना की है। इसके अतिरिक्त, विपुल कोरियोग्राफर जोड़ी बॉस्को-सीजर् संक्रामक नृत्य चाल बनाने के लिए जिम्मेदार है। चंदू चैपियन फ्रीस्टाइल तैराकी में भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन को पर्दे पर लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।कार्तिक ने फिल्म में मुरलीकांत का किरदार निभाया है। यह फिल्म अगले महीने यानी जून में 14 तारीख को टिकट खिडक़ी पर रिलीज होगी।भुवन अरोड़ा और पलक लालवानी भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे।बता दें, फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है।

फिल्म शिवम भजे से अश्विन बाबू का पहला लुक आया सामने

राजू गारी गाधी और हिडिम्बा जैसी फिल्मों में अपनी प्रमुख भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध अश्विन बाबू अपनी आगामी फिल्म शिवम भजे से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का बहुप्रतीक्षित पहला लुक आज जारी किया गया, जिसमें अश्विन एक आकर्षक एक्शन से भरपूर अवतार में नजर आए। पोस्टर में भक्तिपूर्ण रूपांकनों को दर्शाया गया है, जो आस्था में गहराई से निहित एक कहानी की ओर इशारा करता है। कैप्शन, जब विश्वास खतरे में होगा, तो दुनिया उसका गुस्सा देखेगी, एक गहन और रोमांचकारी कहानी के लिए स्वर निर्धारित करता है। अश्विन बाबू के साथ दिगांगना सूर्यवंशी भी शामिल हो गई हैं, जो इस एक्शन ड्रामा में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अप्सर द्वारा निर्देशित और महेश्वर रेड्डी मूली द्वारा उनके गंगा एंटरटेनमेंट बैनर के तहत निर्मित, शिवम भजे एक दिलचस्प सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म तेलुगु दर्शकों तक ही सीमित नहीं है, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में बहुभाषी रिलीज की योजना है। यह विस्तार फिल्म की कहानी और पात्रों की सार्वभौमिक अपील में फिल्म निर्माताओं के विश्वास को दर्शाता है, जिससे इसकी रिलीज के लिए प्रत्याशा बढ़ जाती है।

इंडियन 2: साउथ सुपरस्टार कमल हासन का दिखा योद्धा वाला अंदाज

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की मोस्ट अवेटेड फिल्म इंडियन 2 का पहला सॉन्ग जागो (तमिल में पारा) को आखिरकार रिलीज हो गया है. कमल हासन के फैंस के फिल्म के पहले गाने जागो का खूब इंतजार था, जो खत्म हो गया है. इंडियन 2 का फर्स्ट सिंगल जागो साउथ के पॉपुलर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जिन्होंने शाहरुख खान की फिल्म जवान के लिए भी म्यूजिक कंपोज किया था. अनिरुद्ध ने सॉन्ग जागो को गायिका श्रुतिका समुधारला के साथ मिलकर गाया है. हिंदी सॉन्ग जागो के बोल हिंदी पट्टी के गीतकार मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और अनिरुद्ध ने इसे कंपोज किया है. कमल हासन 28 साल बाद फिल्म इंडियन का दूसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं. बता दें, कमल हासन को पिछली बार फिल्म विक्रम में देखा गया था. इस फिल्म को लोकेश कनगराज ने डायरेक्ट किया था और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के झंडे गाड़े थे और अब कमल हासन एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर रूल करने के लिए तैयार हैं. फिल्म इंडियन 2 से कमल हासन के कई लुक्स रिलीज हो चुके हैं. शंकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 12 जुलाई 2024 को रिलीज होने जा रही है. गौरतलब है कि कमल हासन इंडियन 2 की रिलीज से पहले नाग अश्विन के निर्देशन में तैयार हुई फिल्म कल्कि 2898एडी में नजर आएंगे. कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं. प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और दिशा पटानी स्टारर फिल्म कल्कि 2898एडी एक पीरियड माइथोलॉजी फिल्म है, जो आगामी 27 जून 2024 को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है.

बॉलीवुड में रहना है तो सुंदर दिखना होगा: जैकलीन फर्नांडिस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा रही हैं। हर दिन सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं।जैकलीन फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं।इस बीच अब हाल ही में एक इंटरव्यू में जैकलीन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया और कई खुलासे किए।साथ ही साथ जैकलीन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के संघर्षों के बारे में भी कई बातें कहीं।

जब जैकलीन से पूछा गया कि उनके करियर की शुरुआत में उन्हें सबसे बुरी सलाह क्या मिली थी।इसके जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, एक बार मैं जिम में थी और तब मैं बॉलीवुड में नई-नई ही आई थी। वहां एक अभिनेता भी जिम कर रहे थे। मैंने जब उन्हें बताया कि मैं अपने उच्चारण को सुधारने के लिए क्लास ले रही हूं, तब उन्होंने कहा मुझे इसकी जरुरत नहीं है। यहां टिकने के लिए खूबसूरत दिखना जरूरी है।

जैकलीन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, अगर आप खूबसूरत दिखेंगी तो आपके लिए सब आसान हो जाएगा। मैंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। कई बार कई लोगों ने मुझे कहा कि मैं अपने नाक की सर्जरी करवाऊं क्योंकि वह मेरे चेहरे पर सही नहीं लगती, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। हालांकि, जैकलीन मानती हैं कि बॉलीवुड में कई सुंदर बदलाव भी हो रहे हैं।अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह की शूटिंग में व्यस्त हैं।

मल्हार 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

अनोखी दोस्ती, निस्वार्थ प्यार और अटूट रिश्तों की कहानी मल्हार फिल्म हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज़ होगी. ट्रेलर में शारिब हाशमी, अंजलि पाटिल, ऋषि सक्सेना, श्रीनिवास पोकाले, विनायक पोटदार, मोहम्मद समद और अक्षता आचार्य मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं. ट्रेलर बेहद दिलचस्प लग रहा है और दर्शकों को फिल्म देखने के लिए उत्साहित कर रहा है. फिल्म की कहानी दोस्ती, प्यार और बंधन के इर्द-गिर्द घूमती है. पहले फिल्म 31 मई को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने नई रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है. मल्हार अब 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

फिल्म का निर्देशन विशाल कुंभर ने किया है, जबकि निर्माण प्रफुल्ल पासड ने किया है. वी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है.

ट्रेलर में, हाशमी के किरदार को अपने गांव में आने वाले विजिटर्स का अभिवादन करते हुए दिखाया गया है। इसके बाद दो स्कूली साथियों के बीच बातचीत को दिखाया गया, जो अलग-अलग धर्मों का पालन करते हैं। इसके अलावा ट्रेलर में एक युवा हिंदू लडक़े और मुस्लिम लडक़ी के बीच पनप रहे प्यार की कहानी भी देखने को मिलेगी। यह हाशमी के एक दमदार डायलॉग के साथ समाप्त होता है।

1 मिनट 25 सेकन्ड के इस ट्रेलर की शुरुआत शारिब हाशमी के डायलॉग से होती है वह कहते हैं वेलकम टू माई विलेज। दरअसल निर्माता प्रफुल पासड की फ़िल्म मल्हार गांव कच्छ में घटित हो रही तीन स्टोरीज का अनोखा मिश्रण है। यह फिल्म दो सबसे अच्छे दोस्तों की कहानी कहती है। सुनने के यंत्र की मरम्मत के लिए उनके संघर्ष के इर्द-गिर्द यह स्टोरी घूमती है। चाइल्ड आर्टिस्ट का यह संवाद दिल को टच कर जाता है कि मां कहती है भगवान बच्चों की सब बातें सुनते हैं।

सजनी शिंदे का वायरल वीडियो किरदार की मासूमियत बरकरार रखना चाहती हूं: राधिका मदान

मिस्ट्री फिल्म सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में मुख्य किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस राधिका मदान ने बताया कि किस तरह फिल्म ने उन्हें अपने अंदर झांकने पर मजबूर किया। राधिका ने अपने किरदार सजनी से जुड़ी कुछ बातें शेयर की।

उन्होंने कहा, सजनी के लिए मुझे वास्तव में दुख हो रहा है। लेकिन इसका उपाय सिर्फ यह है कि आप समाज के लिए अपनी चमक या अपनी मासूमियत को न खोएं। यह बहुत जरूरी है कि आप अपनी नजरों में सही रहें और अपने आप पर भरोसा रखें।

राधिका ने कहा, किसी को बाहरी लोगों के अनुसार अपनी जिंदगी नहीं जीनी चाहिए। इसलिए, मैं सजनी की चमक और मासूमियत को अपने अंदर बरकरार रखने की पूरी कोशिश करूंगी।

फिल्म की शूटिंग से जुड़े एक किस्से को बताते हुए राधिका ने कहा, हर एक सीन ने हमें अपने अंदर झांकने पर मजबूर किया। सिर्फ मुझे ही नहीं, बल्कि निर्देशक, सेट पर मौजूद लोगों, को-एक्टर्स को भी.. मुझे लगता है कि हर सीन इंट्रोस्पेक्शन से भरा था।

राधिका ने कहा, आप अपने बारे में नहीं, बल्कि अपने रोल के बारे में सोचते हैं, लेकिन यह फिल्म आपसे यह सवाल करने पर मजबूर करती है कि आप खुद को कैसे देखते हैं।

मिखिल मुसाले द्वारा निर्देशित यह फिल्म सजनी शिंदे (राधिका) की कहानी को उजागर करती है, जिसका जिंदगी एक वायरल वीडियो से पूरी तरह से तबाह हो जाती है। इसमें निम्रत कौर, भाग्यश्री, सुबोध भावे, सोहम मजूमदार और सुमीत व्यास भी हैं।

रोजगार सृजन की गति भी बढ़नी चाहिए

अजीत रानाडे

कुछ दिन पहले जेनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और दिल्ली स्थित इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट ने संयुक्त रूप से 'इंडिया एमंप्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' प्रकाशित किया है। तीन सौ पन्नों की यह सारगर्भित रिपोर्ट भारत में श्रम एवं रोजगार के संबंध में इन दोनों संस्थानों द्वारा प्रकाशित तीसरी बड़ी रिपोर्ट है। इन संस्थाओं ने 2014 में श्रम एवं वैश्वीकरण तथा 2016 में विनिर्माण में रोजगार नीत वृद्धि पर रिपोर्ट का प्रकाशन किया था। हालिया रिपोर्ट में 2000 के बाद की दो दशक से अधिक की अवधि के आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया है, जिनमें से अधिकांश सरकारी स्रोतों से लिए गये हैं। साल 2018 से पहले आंकड़ों का मुख्य स्रोत रोजगार की स्थिति पर होने वाला पंचवर्षीय सर्वेक्षण था। उसके बाद तीन माह पर आने वाला श्रम बल सर्वेक्षण स्रोत बन गया। ये आंकड़े सभी शोध करने वालों को उपलब्ध हैं और वर्तमान रिपोर्ट में इनका गहन विश्लेषण किया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षों पर चर्चा से पहले परिभाषाओं को याद रखना महत्वपूर्ण है। श्रम बल भागीदारी दर का अर्थ कामकाजी आबादी (15 साल से अधिक आयु के लोग) के वे लोग हैं, जो कार्यरत हैं या काम की तलाश में हैं। उल्लेखनीय है कि भारत की आबादी की वृद्धि दर घटकर हर साल 0।8 प्रतिशत हो गयी है, पर श्रम बल अभी भी सालाना दो प्रतिशत से अधिक दर से बढ़ रहा है। पहले इस वृद्धि से हम देखते हैं कि बीते दो दशकों में श्रम बल भागीदारी दर की स्थिति क्या रही है। कामगार भागीदारी अनुपात कामकाजी आयु के उन लोगों का अनुपात है, जो कार्यरत हैं। शेष बेरोजगार हैं और इसलिए बेरोजगारी दर श्रम बल का वह हिस्सा है, जिसके पास काम नहीं है और वह काम की तलाश में है।

निष्कर्षों में इस दीर्घकालिक रुझान को रेखांकित किया गया है कि 2019 तक भागीदारी दर, भागीदारी अनुपात और बेरोजगारी दर उलटी दिशा में अग्रसर थे। भागीदारी दर गिर रही थी और बेरोजगारी दर बढ़ रही थी। यह निराशाजनक है क्योंकि इसका मतलब है कि बढ़ती अर्थव्यवस्था रोजगार सृजन नहीं कर रही है। साल 2000-12 के बीच अर्थव्यवस्था हर साल 6। 2 प्रतिशत की दर से बढ़ी, पर नौकरियां मात्र 1। 6 प्रतिशत की दर से ही बढ़ीं। साल 2012-19 के बीच तो स्थिति और खराब हो गयी, जब औसत आर्थिक वृद्धि दर 6। 7 प्रतिशत थी, पर रोजगार वृद्धि दर केवल 0।1 प्रतिशत रही। यह %जॉबलेस ग्रोथ% का ठोस मामला है। इसका अर्थ यह है कि प्रति कामगार आर्थिक उत्पादकता बढ़ रही है, जिससे अतिरिक्त कामगार की जरूरत नहीं रह जाती। इसका यह भी मतलब है कि आर्थिक वृद्धि का मुख्य आधार पूंजी है और प्रति कामगार अधिक मशीनों का उपयोग हो रहा है। यह सबसे अधिक विनिर्माण क्षेत्र में है। इस क्षेत्र में2000-19 की अवधि में रोजगार वृद्धि मात्र 1. 7 प्रतिशत सालाना रही, जबकि उत्पादन में 7.5 फीसदी बढ़ोतरी हुई। सेवा क्षेत्र में रोजगार वृद्धि लगभग तीन प्रतिशत रही। इस अवधि में कंस्ट्रक्शन के काम में अच्छी बढ़त हुई।

वृद्धि प्रक्रिया से अपेक्षा रहती है कि वह कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त श्रम को विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में लाये। इसे अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन कहा जाता है। इसमें बढ़ता निर्यात भी सहयोगी हो सकता है। जीडीपी में 1984 में वस्तुओं और सेवा के निर्यात का हिस्सा केवल 6। 3 प्रतिशत था, जो 2022 में 22 प्रतिशत हो गया। वैश्विक बाजार में अवसर बढ़ने से भारत में रोजगार बढ़ना चाहिए था, अगर श्रम आधारित निर्यात पर ध्यान दिया जाता। निर्यात आधारित वृद्धि को पूर्वी एशिया के अधिकांश देशों में देख सकते हैं, जहां पांच दशक पहले यह जापान में शुरू हुई और वियतनाम जैसे देशों में अभी भी चल रही है। भारत ने वह अवसर खो दिया, पहले निर्यात को लेकर निराशावाद रहा और बाद में वैश्विक मूल्य शृंखला में शामिल होने से हिचक रही। यह स्थिति बदल सकती है। लेकिन अब नयी चुनौतियां हैं, जैसे भू-राजनीतिक कारणों से व्यापार बाधाओं का बढ़ना तथा ऑटोमेशन के चलते नौकरियों पर संकट।

विनिर्माण में दो दशकों से रोजगार कुल श्रम बल के 12-14 प्रतिशत पर अटका हुआ है। इसके कई कारण हैं, जिनमें एक यह है कि इस क्षेत्र में पूंजी की सघनता को लेकर झुकाव है। लेकिन एक बड़ी समस्या है कौशल का अभाव। शिक्षा क्षेत्र उम्मीद पर खरा नहीं उतर रहा है क्योंकि जो छात्र स्कूल-कॉलेज से निकल रहे हैं, वे रोजगार योग्य नहीं हैं। इसलिए अचरज की बात नहीं है कि बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार हैं। युवाओं में, 34 साल से कम आयु के, बेरोजगारी 83 प्रतिशत के स्तर पर है। इस आयु के बाद नौकरी पाने की संभावना नाटकीय ढंग से बढ़ जाती है, भले ही वेतन अच्छा न हो। आबादी में युवाओं का हिस्सा 27 प्रतिशत है और आयु बढ़ने के साथ यह संख्या 2036 तक 23 प्रतिशत रह जायेगी। चूंकि कॉलेजों में नामांकन दर बढ़ रही है, तो वे युवा श्रम बल का हिस्सा नहीं होंगे, जिसके कारण श्रम बल में भागीदारी दर कम हो सकती है।

लेकिन युवा बेरोजगारी एक कठिन चुनौती बनी हुई है। यह दो दशकों में 5.7 प्रतिशत से बढ़कर 2019 में 17.5 प्रतिशत हो गयी और 2022 में घटकर 12.1 प्रतिशत हो गयी। इस समस्या का सीधा संबंध शिक्षा से है। साल 2022 में लिख या पढ़ नहीं पाने वाले युवाओं में बेरोजगारी दर 3.4, माध्यमिक या उससे अधिक शिक्षा पाये युवाओं में 18.4 और स्नातकों में 29.1 प्रतिशत थी। यह देश में अब तक की सबसे अधिक शिक्षित युवा बेरोजगारी है। विभिन्न कारकों में मुख्य कारक है कि कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण का अभाव। यह हमारे शिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण के संस्थानों की असफलता है। यह समय है कि अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों को तीव्रता से आगे बढ़ाया जाए, जो देश में कहीं भी उपलब्ध कराये जा सकते हैं। इस कार्यक्रम में ऐसे प्रशिक्षण का अवसर देने वालों पर कामगार को स्थायी काम देने के लिए दबाव नहीं बनाना चाहिए। इस रिपोर्ट में उपयोगी विश्लेषण के साथ-साथ नीति-निर्धारकों के लिए सुझाव भी दिये गये हैं। नीति को लेकर मुख्य सुझाव है कि न केवल निर्यात या उत्पादन के मूल्य के आधार पर, बल्कि अधिक रोजगार पैदा करने वाले निवेशों को भी प्रोत्साहन दिया जाए। साथ ही, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत रोजगार क्षमता, कौशल विकास, रोजगारदाताओं के साथ सहभागिता तथा अनुभवजन्य शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अगला दशक भारत के मानवीय पूंजी को बढ़ाने में निवेश करने का दशक होना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सू- दोकू क्र. 104

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 103 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बेहतर हो

अशोक शर्मा

बीमार व्यक्ति बड़ी आशा लेकर अस्पताल जाता है कि उसका समुचित इलाज हो सकेगा। लेकिन अनेक अस्पताल अपनी कमाई बढ़ाने के लिए अनुचित तौर-तरीके अपनाते हैं, जो अनैतिक भी है और आपराधिक भी। ऐसी शिकायतों को देखते हुए अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को मान्यता देने वाले राष्ट्रीय बोर्ड (एनएबीएच) ने लिखित चेतावनी दी है कि मान्यता हासिल करने और पैनलों में पंजीकृत होने के लिए अगर उन्होंने फर्जी या गलत दस्तावेज जमा किये, तो उनकी मान्यता रद्द की जा सकती है और उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

यह चेतावनी 15 मार्च को जारी की गयी थी, पर इसे 16 मई को सार्वजनिक किया गया। इस राष्ट्रीय बोर्ड का गठन 2005 में हुआ था और यह भारतीय गुणवत्ता परिषद की एक इकाई है। एनएबीएच के तहत चलने वाले मान्यता देने के कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बेहतर हो तथा रोगियों को अच्छा उपचार एवं सुरक्षा हासिल हो। बीते वर्षों में यह कार्यक्रम लगातार प्रभावी होता गया है तथा उसकी गणना वैश्विक स्तर के कार्यक्रमों एवं मानकों में होती है। एनएबीएच की चेतावनी में रेखांकित किया गया है कि अस्पतालों की गलत हरकतों और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से मान्यता प्रक्रिया की दृढ़ता तथा बोर्ड के भरोसे को चोट पहुंच रही है। ऐसी शिकायतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिनमें कहा जा रहा है कि अनेक अस्पताल अपने दावों से कमतर सेवा उपलब्ध करा रहे हैं तथा कई जगहों पर पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। वे अपनी कमियों को छुपाते हैं और कमाई के लालच में रोगियों का शोषण करते हैं। कुछ समय पहले मशहूर अस्पतालों के बारे में जानकारी सामने आयी थी कि वे बाजार की तुलना में महंगे दामों पर दवाएं बेच रहे हैं। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल कई अस्पताल गलत खर्च दिखाने के लिए मामलों में चिह्नित एवं दंडित किये गये हैं। कुछ समय पहले भारत सरकार ने गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया है, जिससे अस्पतालों की मनमानी पर कुछ रोक लगी है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को फीस के बारे में नियमन करने का निर्देश देते हुए कहा था कि अगर सरकार ने इस संबंध में कुछ नहीं किया, तो अदालत ही फैसला करेगी। लोगों को भी सचेत एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है।

अकेले महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

अमेरिका की प्रजनन दर में 2023 के दौरान 2प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की ताजा रपट के अनुसार आस्ट्रेलिया में भी समान पैटर्न नजर आ रहा है।

कह रहे हैं कि कोविड-19 महामारी के चरम के वक्त प्रजजन दर में अस्थाई वृद्धि देखी गयी थी। जिसे छोड़ कर अमेरिकी प्रजनन दर लगातार गिर रही है। इससे कम प्रजनन दर के मामले में जापान, दक्षिण कोरिया व इटली हैं। अमेरिका व आस्ट्रेलिया में इस वक्त प्रजनन दर 1.6 है। जबकि दक्षिण कोरिया में 0.68 रह गयी है।

इन देशों में जितने बच्चे जन्म रहे हैं, उससे ज्यादा मौतें हो रही हैं। असल सवाल महिलाओं के कम बच्चे पैदा करने पर जा अटकता है। यूं भी आस्ट्रेलियाई महिलाएं दुनिया में सबसे शिक्षित हैं। पढ़ाई को काफी वक्त देने के बाद वे करियर बनाने में जुट जाती हैं। बच्चे पालना महंगा तथा समय लेने वाली जिम्मेदारी है।

महिलाएं ही नहीं पुरुष भी स्थाई नौकरी व आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं। अमीर देश ही नहीं, दुनिया भर के 204 देशों और क्षेत्रों में से 155 यानी 76त्न में 2050 तक प्रजनन दर जनसंख्या प्रतिस्थापन स्तर से नीचे पहुंच जाएगी। जनसंख्या को स्थिर बनाये रखने के लिए प्रति महिला 2.1 प्रजनन दर की आवश्यकता है। चूंकि अपने यहां इस वक्त उर्वर यानी 18-35 की उम्र वालों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक तकरीबन साठ करोड़ बतायी जा रही है।

विश्लेषकों का अनुमान है कि जनसंख्या 2064 में लगभ 9.7 अरब पहुंच सकती है। मगर 2100 में यह सिकुड़ कर 8.8 अरब पर थम सकती है। प्रजनन दर में आने वाली गिरावट के लिए अकेले महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह सच है कि बच्चों के लालन-पालन में लगने वाले समय, ऊर्जा व धन को लेकर मानदंड बलदते जा रहे हैं।

दूसरे देर से युवावस्था की ढलाने में हो रही शादियां व प्रजनन क्षमता में होने वाली गिरावट/दिक्कतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। बदलती जीवन-चर्या, आर्थिक दबाव, करियर की बढ़ती मांगे, प्रतिस्पर्धा आदि ने युवाओं का जेहनी सुकून छीना है। बच्चों की देखभाल की उचित व्यवस्था का अभाव भी युवाओं को परिवार बढ़ाने से विमुख करता है। यह जटिल समस्या नहीं है, इसे लाइफ स्टाइल से जोड़ कर देखा जाना चाहिए और इसे सुधारने के प्रति सभी को आगे बढना़ चाहिए।(आरएनएस)

मुख्य सचिव ने एनएचएआई के प्रोजेक्टों पर की चर्चा

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य विकास चौहान से एनचएआई के प्रोजेक्टों पर चर्चा की।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी से सचिवालय में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के सदस्य विकास चौहान ने मुलाकात कर राज्य में संचालित प्रोजेक्ट्स से सम्बन्धित मुद्दों पर बैठक की। बैठक के दौरान भूमि अधिग्रहण की क्षतिपूर्ति के त्वरित वितरण, अधिग्रहित भूमि के म्यूटेशन की प्रगति, भूमि अधिग्रहण में फॉरेस्ट क्लियरेंस के मामलों, दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे, रूद्रपुर

बाईपास, काशीपुर बाईपास, एनएच 119 के फोर लेन कोटद्वार बाईपास, रूड़की, रूद्रपुर, वसन्त विहार, नजीबाबाद में संचालित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने एनएचएआई के सभी प्रोजेक्ट्स पर राज्य की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। बैठक में प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यटकों से मारपीट करने वाले तीन राफ्टिंग गाइड गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पर्यटकों के साथ मारपीट करने वाले तीन राफ्टिंग गाइडों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जून को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल वीडियो जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ था। जिसमें राफ्टिंग गाइड व हैल्पर द्वारा ब्रह्मपुरी राफ्टिंग पॉइंट पर की जा रही टूरिस्ट के साथ मारपीट पर संज्ञान लेते हुए को नवनीत सिंह भुल्लर ,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक मुनि की रेती को उक्त प्रकरण में कार्यवाही किए जाने हेतु आदेशित किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वायरल वीडियो की गहनता से जांच करने के उपरांत घटना से संबंधित वीडियो 29 मई 24 का होना पाया गया। घटना में आशीष जोशी पुत्र राकेश चंद्र जोशी निवासी ग्राम व्योंता रुद्रप्रयाग हाल पता ऋषि गंगा एडवेंचर ,राम झूला मुनि की रेती टिहरी गढ़वाल (हैल्पर), कमलेश राजभर पुत्र रामदयाल निवासी चंद्रबेश्वर नगर चंद्रभागा ऋषिकेश देहरादून (गाइड) तथा गंगा त्यागी सोमपाल त्यागी निवासी कैलाश गेट शीशमझाड़ी मुनि की रेती टिहरी गढ़वाल (गाइड) का नाम प्रकाश में आया। उक्त राफ्टिंग गाइड/हैल्पर वर्तमान में ऋषि गंगा एडवेंचर तथा पैडलर हिमालय मुनि की रेती में काम करते हैं। वीडियो की सत्यता जानने के लिए उक्त व्यक्तियों को पूछताछ हेतु बुलाया गया। उक्त व्यक्तियों आशीष व कमलेश ने पूछताछ करने पर बताया कि राफ्ट को राफ्टिंग पॉइंट पर ले जाते समय राफ्ट लगने के कारण अन्य कंपनी के क्लाइंट से विवाद हो गया था जिस कारण मारपीट की घटना घटित हुई। उक्त व्यक्तियों की घटना में पुष्टि होने के कारण आज तपोवन रोड मुनि की रेती से गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त गिरफ्तार व्यक्तियों को समय से न्यायालय भेजा जा रहा है। प्रकाश में आई एडवेंचर कंपनी ऋषि गंगा तथा पेडलर हिमालय के संबंध में लाइसेंस निरस्तीकरण हेतु रिपोर्ट जिलाधिकारी गढ़वाल को प्रेषित की जा रही है तथा उक्त कंपनी के गाइडों कमलेश राजभर तथा गंगा त्यागी के विरुद्ध भी लाइसेंस की निरस्तीकरण की रिपोर्ट प्रेषित की जाएगी। घटना में प्रकाश में आए अन्य व्यक्तियों की तलाश एवं जानकारी की जा रही है जिसकी जांच जारी है।

मोदी को चुना गया संसदीय दल का नेता..

◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

क्यों होती है? क्या करती है? किसके लिए करती है? हमने सबका साथ सबका विकास के साथ सबका प्रयास की अवधारणा को भी इसमें जोड़ा।

इस संबोधन में अपने गठबंधन की कमजोरी का एहसास भी दिखा जब प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के विकास के लिए संसद में कोई किसी दल का नहीं होता सब बराबर होते हैं। एलाइंस के अंदर भी अटूटता जरूरी है। आपसी विश्वास जरूरी है ऐसा विश्वास की उसके अंदर हवा भी प्रवेश न कर सके। यह हम सभी का दायित्व है।

बाडीगार्ड बस्ती में अवैध निर्माण पर...

◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

मसूरी विधानसभा क्षेत्र की बाडीगार्ड बस्ती में चिन्हित 20 अवैध निर्माण पर कार्यवाही की जानी थी। लेकिन उससे पहले ही राजनीतिक दबाव के चलते नगर निगम को अपने कदम रोकने पड़े। जिसके बाद दोबारा दस्तावेजों की जांच हुई और 20 में से 10 निर्माण ही कार्यवाही की जद में आ सके। जिसके बाद आज नगर निगम व पुलिस प्रशासन की टीमों द्वारा आज सुबह ही बाडीगार्ड बस्ती में पहुंच कर अवैध निर्माण पर ध्वस्तिकरण की कार्यवाही की गयी है।

मलिन बस्तियों के चिन्हीकरण के बाद सूचीबद्ध रिपोर्ट एक सप्ताह में शासन को भेजें: सीएस

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने जिलाधिकारियों को नगर निकायों में अवस्थित मलिन बस्तियों के चिन्हीकरण के बाद सूचीबद्ध रिपोर्ट एक सप्ताह में शासन को भेजने के निर्देश दिये।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारियों को नगर निकायों में अवस्थित मलिन बस्तियों के चिन्हीकरण के बाद सूचीबद्ध रिपोर्ट एक सप्ताह में शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं, ताकि उनके विकास, पुनरूद्वार व पुनर्वासन की कार्ययोजना पर जल्द से जल्द कार्य आरम्भ किया जा सके। सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने अधिकारियों को राज्य में मलिन बस्तियों के सुधार, विनियमितीकरण, पुनरूद्धार, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यस्थापन के लिए अत्यन्त संवेदनशीलता एवं मानवीयता के साथ प्रभावी कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस सम्बन्ध में शहरी विकास विभाग तथा आवास विभाग की एक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने शहरी विकास विभाग को सफाई कर्मियों के लिए पर्याप्त आवास एवं बीमा की व्यवस्था हेतु कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए हैं। सीएस ने मलिन बस्तियों हेतु प्राधिकरण के माध्यम से कॉर्पस फण्ड के निर्माण के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि शासन की अधिसूचना विभिन्न श्रेणियों के तहत जनपद बागेश्वर में श्रेणी एक की 04 मलिन बस्तियां तथा श्रेणी दो की 02 मलिन बस्तियां, हरिद्वार में श्रेणी एक की 57 मलिन बस्तियां, श्रेणी दो की 02, श्रेणी तीन की 24, नैनीताल में श्रेणी एक की 37, श्रेणी दो की 01, श्रेणी तीन की 23, अल्मोड़ा में श्रेणी एक की 04, देहरादून में कुल 128 मलिन बस्तियों चिहिन्त की गई हैं। बैठक में प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु सहित अन्य अधिकारी तथा वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने जल संस्थान, निगम आदि विभागों को दिये जरूरी दिशा निर्देश

संवाददाता

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खडूडी भूषण ने जल संस्थान, नगर निगम व विद्युत विभाग के अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये जिससे जनता को परेशानी का सामना ना करना पडे।

आज यहां विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खडूडी भूषण ने निबुचौड स्थित अपने आवास पर कोटद्वार विधासभा के विकास कार्य को लेकर व वर्षा ऋतु से पूर्व सभी विभागीय अधिकारियों को तैयारी दुरुस्त करने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी विभागों की बैठक बुला कर जिसमें हर विभाग को उनकी नैतिक जिम्मेदारी देकर उन पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया, जिसमें वन विभाग को जंगलों में लग रही आग व बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए निर्देशित किया। विधानसभा अध्यक्ष ने पेयजल की समस्या को दुरुस्त करने के लिए पेयजल विभाग को ग्राउंड जीरो पर कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने बताया जहां भी ट्यूबवेल की मोटर खराब हो रही है उसे जल्द से जल्द सही किया जाए ताकि लोगो को पानी की समस्या ना झेलनी पड़े। विधानसभा अध्यक्ष ने नगर निगम कोटद्वार को शहर में सफाई व मार्ग पर घूम रहे आवारा पशु के लिए गौशाला सुचारू रूप से चलाई जाए।

उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग को कोटद्वार चिल्लरखाल मुख्य मार्ग को जल्द से जल्द बनने के लिए कहा व भविष्य की जरूरत को ध्यान में रखते है उचित जगह पर ह्यूम पाइप, नालियां बनाने के लिए निर्देशित किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने विद्युत विभाग को बिजली कटौती पर ध्यान देने के लिए कहा और जहां हाई टेंशन लाइन जो घरों को छू रही है उन्हे उचित दूरी पर करने के लिए कहा। सिंचाई विभाग को चैनलाइज, सुरक्षा दिवस व कृषि के लिए नहरों के काम में तेजी लाने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी लैंसडाउन, नगर आयुक्त कोटद्वार, अधिशासी अभियंता सिंचाई, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता विद्युत, जल संस्थान आदि लोग उपास्थि रहे।

लघु व्यापारियों के शोषण के विरोध में महापंचायत 11 जून को:चोपडा

संवाददाता

हरिद्वार। रेहडी पटरी के लघु व्यापारी एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि व्यापारियों के शोषण व उत्पीडन के विरोध में 11 जून को महापंचायल का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आगे की रणनीति तय होगी।

रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में अलकनंदा घाट पर सामूहिक रूप से भारी तादात में बैठक आयोजित कर जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को उनके कारोबारी स्थान से हटाए जाने के विरोध में आगामी 11 जून को ललतारो घाट पर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की महापंचायत का आयोजन कर आगामी आंदोलन की रणनीति बनाकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किए जाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार नगर निगम की लापरवाही की वजह से रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली का संरक्षण नहीं मिल पा रहा है जोकि अन्याय पूर्ण है। उन्होंने कहा कि आगामी 11 जून को सामूहिक रूप से रेडी पटरी के लघु व्यापारी महापंचायत का आयोजन कर आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा एक सप्ताह के अंदर नगर निगम प्रशासन द्वारा टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक बुलाकर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों पूर्व के चिन्हित सभी वेंडिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापन की कार्रवाई को किया जाना न्याय संगत होगा। रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों की बैठक में अपने विचार व्यक्त करते राजकुमार एंथोनी, कमल सिंह, सुनील कुकरेती, पंडित कमल शर्मा, नंदकिशोर गोस्वामी, नीरज कश्यप, जय सिंह बिष्ट, पंडित मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, विजय गुप्ता, लालचंद, विकास, अजय, चंदन सिंह रावत, बालवीर गुप्ता, मंजू पाल, सुमन गुप्ता, कामिनी मिश्रा, सीमा देवी, पुष्पा दास, पार्वती देवी, सुमित्रा देवी, सरोज, अनीता, विजयलक्ष्मी आदि सहित भारी तादाद में फुटपाथ दुकानदार शामिल रहे।

एक नजर

इमरान मसूद की जीत के बाद समर्थकों ने किया जमकर हुड़दंग

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश की सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता इमरान मसूद को चुनाव में बड़ी जीत मिली है। उनका मुकाबला भाजपा के राघव लखन पाल से था। वहीं, इमरान मसूद की जीत के बाद समर्थकों ने अंबाला रोड पर जमकर हुड़दंग किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल हो रहा है। एक मिनट के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे इमरान मसूद के चुनाव में जीतने के बाद सैकड़ों की संख्या में बाइक सवार युवक सड़क पर स्टंटबाजी कर रहे हैं और बाइक रैली के चलते सड़क को जाम कर दिया। इतना ही नहीं बाइक सवार युवकों ने कुतुबशेर थाने के सामने जमकर हूटिंग भी की। वीडियो में नजर आ रहा है कि इमरान मसूद के समर्थक बिना हेलमेट के हैं और किसी बाइक पर तीन-तीन लोग सवार हैं। पुलिस ने वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए एक्शन लिया है। सहारनपुर के एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने जानकारी देते हुए बताया कि वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वीडियो 4 जून की देर रात का है। चुनाव के नतीजे के बाद ये युवक हंगामा कर रहे थे और रास्ते से निकलते हुए इन्होंने नारेबाजी की थी। बता दें कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद का मुकाबला भाजपा के राघव लखनपाल और मायावती की पार्टी बसपा के माजिद अली से था। नतीजों में इस सीट से इमरान मसूद ने जीत दर्ज की।

फर्जी आधार कार्ड के जरिए संसद भवन में घुसने की कोशिश कर रहे तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। संसद भवन में गैरकानूनी रूप से सेंध लगाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, तीन आरोपियों ने जाली आधार कार्ड का उपयोग कर संसद भवन में घुसने का प्रयास किया जिन्हें सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया है। दिल्ली पुलिस ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान कासिम, मोनिस और सोएब के रूप में हुई है, उन पर जालसाजी और धोखाधड़ी से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि घटनी बीते गुरुवार की है जब सदन में प्रवेश करने के लिए उन्होंने जाली आधार कार्ड का उपयोग किया लेकिन सीआईएसएफ कर्मियों उन्हें पहचान लिया। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को नियमित सुरक्षा और पहचान जांच के दौरान संसद भवन के फ्लैप गेट प्रवेश पर सीआईएसएफ कर्मियों ने तीनों को रोका और हिरासत में लिया। आगे की जांच में सीआईएसएफ ने पाया कि उनके आधार कार्ड जाली थे। यह घटना सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस की टुकड़ियों की जगह सीआईएसएफ द्वारा संसद परिसर की पूरी सुरक्षा का जिम्मा संभालने के तुरंत बाद हुई। गिरफ्तार किए गए तीनों व्यक्ति डीवी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा नियोजित थे, जिसे संसद परिसर के अंदर सांसदों के लाउंज का निर्माण करने का ठेका दिया गया था।

महिला सिक्योरिटी गार्ड मेरी ओर आई और मेरे फेस पर हिट किया: कंगना

नई दिल्ली। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की महिला गार्ड द्वारा थपड़ मारे जाने के बाद अभिनेत्री व बीजेपी सांसद कंगना रनौत की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि वो बिल्कुल सेफ हैं। कंगना रनौत ने अपने बयान में कहा, मुझे मेरे शुभचिंतकों और मीडिया की ओर से कई फोन कॉल आ रहे हैं। सबसे पहले तो मैं आपको बता दूं कि मैं बिल्कुल सुरक्षित हूं। मैं पूरी तरह से ठीक हूं। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जो कुछ भी हुआ, वो सिक्योरिटी चेकिंग के दौरान हुआ, वहां मैं सिक्योरिटी चेक करते हुए जैसे ही निकली, तो वहां मौजूद एक महिला सिक्योरिटी गार्ड मेरी ओर आई और मेरे फेस पर हिट किया। इसके बाद मुझे गालियां देने लगीं। अभिनेत्री ने आगे कहा, इसके बाद मैंने उनसे पूछा कि आपने ऐसा क्यों किया? उन्होंने कहा कि मैं किसान आंदोलन का समर्थन करती हूं। मैं बिल्कुल सुरक्षित हूं, लेकिन मेरी एक चिंता है कि जो आतंकवाद और उग्रवाद पंजाब में बढ़ रहा है, हम उसे कैसे हैंडल करेंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में मंडी सीट से कंगना रनौत ने कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह को पटखनी देते हुए जीत का पताका फहराया है। वहां से जीत के बाद कंगना दिल्ली आ रही थी जब चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उनके साथ ये घटना हुई।

तीन वाहन चोर गिरफ्तार, आठ बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। दुपहिया वाहन चोरियों को खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर चुरायी गयी आठ बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली किच्छा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक वाहन चोर गिरोह सक्रिय है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को हल्द्वानी रोड पर बेनी बाजार के समीप बाइक सवार तीन संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये।

पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। जिस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया।

बाइक के सम्बन्ध में जांच करने पर पता चला किय वह बाइक 2 मई को गुंजन पैलेस किच्छा से चोरी हुई थी। जिस पर उन्हे बाइक सहित कोतवाली लाया गया। जहां सख्ती से की गयी पूछताछ में उन्होने चुरायी गयी सात अन्य बाइक भी बरामद करवाते हुए अपना नाम सुकुम सिंह उम्र 19 वर्ष पुत्र शंकर सिंह निवासी गोल गेट थाना पंतनगर जिला उधम सिंह नगर, कृष कुमार उम्र 19 वर्ष पुत्र प्रदीप कुमार निवासी बेनी कॉलोनी थाना पंतनगर जिला उधम सिंह नगर व आबिद अली उर्फ छन्नू उम्र 20 वर्ष पुत्र साकिर अली निवासी गोल गेट थाना पंतनगर जिला उधम सिंह नगर बताया। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

ऑपरेशन स्माइल: 7 गुमशुदाओं को किया गया बरामद

उत्तरकाशी (हसं)। आप्रेशन स्माइल के तहत पुलिस द्वारा अब तक सात गुमशुदाओं को बरामद किया गया है। जिनमें दो पुरूष, तीन महिलाए व दो बालिकाए शामिल है। बता दें कि उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा गत 1 मई 2024 गुमशुदा बच्चों, महिलाओं, पुरूषों की तलाश एवं पुनर्वास हेतु 'ऑपरेशन स्माइल' अभियान चलाया जा रहा है। जनपद उत्तरकाशी में ऑपरेशन स्माईल अभियान को सफल बनाने के लिये पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन एवं पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी /नोडल अधिकारी ऑपरेशन स्माइल, के पर्यवेक्षण में उत्तरकाशी पुलिस की 'ऑपरेशन स्माइल' टीम लगातार सक्रिय है। इस टीम द्वारा अभी तक 7 गुमशुदा लोगों(2 पुरुष, 3 महिला व 2 बालिका) को सफलतापूर्वक बरामद कर लिया गया है। जिनमें 1 ऐसी महिला भी बरामद हुयी है, जोकि वर्ष 2005 से गुमशुदा चल रही थी। ऑपरेशन स्माइल की टीम (सर्चिंग टीम एवं टेक्निकल टीम) द्वारा गुमशुदाओं के उपलब्ध डाटा के आधार पर कडी मेहनत करते हुये ऐसे स्थान जहॉ गुमशुदा व्यक्तियों के मिलने की प्रबल सम्भावना है जैसे शैल्टर होम्स, आश्रय गृह, धार्मिक स्थलों, बस अड्डे, पर्यटन स्थल, होटलों/ढाबों आदि पर लगातार तलाशी अभियान चलाये जा रहे हैं।

शराब पीलाने पर रेस्टोरेंट संचालक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। रेस्टोरेंट में शराब पीलाने पर पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस को सूचना मिली कि खैरी खुर्द में एक रेस्टोरेंट में अवैध रूप से शराब पीलायी जा रही है। जिसके बाद पुलिस ने रेस्टोरेंट में छापा मारा तो वहां पर लोगों को शराब पीते हुए देखा। पुलिस को देख शराब पी रहे लोग वहां से भाग गये। पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक कृष्ण सजवाण पुत्र धनपाल सजवाण निवासी खैरी खुर्द को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लाखों की स्मैक सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने तीन नशा तस्करों को दबोच कर उनके पास से लाखों रूपये की 124 ग्राम स्मैक बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना पुलभट्टा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बैगुल पुल के समीप बाइक सवार तीन संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हें रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 124 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम लखविन्दर सिंह पुत्र सुच्चा सिंह निवासी ग्राम सिरींजा थाना नानकमत्ता जिला उधम सिंह नगर, सरताज पुत्र अकील अहमद निवासी नयागाव सिसैया थाना सितारगंज जिला उधम सिंह व स्वर्ण सिंह पुत्र सुच्चा सिंह निवासी ग्राम सिरोंजा थाना नानकमत्ता जिला उधम सिंह नगर बताया। बताया कि बरामद स्मैक की खेप वह नानकमत्ता क्षेत्र से लाये थे जिसे वह किच्छा एंव पुलभट्टा क्षेत्र में बेचना चाहते थे। बहरहाल पुलिस ने उन्हे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है। बरामद स्मैक की कीमत 5 लाख रूपये बतायी जा रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जैन प्लाट वाणी विहार निवासी कमर हसन ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र कासिम अपनी मोटरसाईकिल से डोईवाला से घर की तरफ आ रहा था जब वह मणिमाई मन्दिर के पास पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाईकिल पर टक्कर मार दी। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।